

मुंबई, यशभारत। भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार, 23 सितंबर को बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा चढ़कर 74,600 के स्तर के ऊपर पहुंचा, जबकि निफ्टी भी 23,350 के पार कारोबार करता नजर आया। शुरुआती कारोबार में मेटल, एफएमसीजी, बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। वहीं आईटी और मीडिया सेक्टर दबाव में रहे। निफ्टी के शेयरों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व में अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर टीसीएस, विप्रो और इंकोसिस के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। शुरुआती कारोबार में अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार करते नजर आए। निफ्टी मेटल में 1.14% की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी एफएमसीजी 0.61% और निफ्टी फाइनेशियल सर्विसेज 0.36% चढ़ा।

जहरीली शराब कांड के 30 हजार के इनामी का शॉर्ट एनकाउंटर

फायरिंग के बाद सागर पुलिस की जवाबी कार्रवाई, पैर में लगी गोली; साथी आशीष साहू भी घायल



सागर, यशभारत। जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद सागर में पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। पुलिस ने बुधवार को मामले के 30 हजार रुपए के इनामी आरोपी मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर और उसके साथी आशीष साहू का शॉर्ट एनकाउंटर किया। मालथौन थाना क्षेत्र के नोनिया-सेसई रोड पर पुलिस और आरोपियों का आमना-सामना हुआ। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मनीष लोधी के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी आशीष साहू भी घायल हो गया। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से दो देसी कट्टे, पांच राउंड के खोखे और एक बेसबॉल का डंडा बरामद किया है।



मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नोनिया-सेसई रोड पर घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान आरोपी पुलिस टीम के सामने आ गया और उसने बचने के लिए कथित तौर पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। इसी दौरान मनीष के पैर में गोली लगी। गोली लगने के बाद वह घायल होकर जमीन पर गिर गया। उसके साथ मौजूद आशीष साहू भी घायल हुआ। पुलिस ने दोनों को तत्काल कब्जे में लेकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल से दो देसी कट्टे और पांच राउंड के खोखे बरामद किए हैं। इसके अलावा आरोपियों के पास से बेसबॉल का डंडा भी मिला है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के पास हथियार कहां से पहुंचे और घटना के समय उनके साथ और कौन लोग मौजूद थे। बरामद हथियारों और अन्य सामग्री को जांच के लिए सुरक्षित किया गया है।

प्रेनेड और हथियार के साथ दो सदियध गिरफ्तार, गिरोह से कनेक्शन खंगाल रही पुलिस

पटना, एजेंसी। अगमकुआं थाना क्षेत्र में पुलिस ने शीतला मंदिर ओवरब्रिज के पास कार्रवाई करते हुए दो सदियधों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और कथित ग्रेनेड बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, 22 सितंबर की रात शीतला मंदिर ओवरब्रिज के पास कार्रवाई के दौरान दोनों सदियधों को पकड़ा गया। इसके बाद उनके पास मौजूद सामान की तलाशी ली गई, जिसमें हथियार और कथित ग्रेनेड मिलने की बात कही गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार और सदियध ग्रेनेड उनके पास कहां से आए और इन्हें रखने का उद्देश्य क्या था।पुलिस दोनों के आपराधिक रिकॉर्ड और संभावित आपराधिक गिरोह से कनेक्शन की भी जांच कर रही है। उनके मोबाइल फोन और कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं, ताकि गिरफ्तारी से पहले उनके संपर्क में रहे लोगों और हाल की गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

शारजाह में कर्नाटक के शस्त्र की हत्या, शव के 9 टुकड़े कर दो बैग में रखे

उडुपी,ईएमएस। कर्नाटक के उडुपी जिले के रहने वाले एलियन प्रकाश कुंदर की संयुक्त अरब एमीरात के शारजाह में हत्या कर दी गई। उनका शव नौ टुकड़ों में मिला। शव को दो बैग में रखकर एक



कार में रखा गया था। मृतक के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने मंगलवार को घटना की जानकारी दी। कुछ रिपोर्टों के मुताबिक, प्रकाश कुंदर की पत्नी और बेटा भी लापता हैं। हालांकि, उनकी स्थिति को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। प्रकाश कुंदर पिछले 14 साल से शारजाह एयरपोर्ट पर काम कर रहे थे। पिछले साल दिसंबर में वह भारत आए थे और इसके बाद वापस शारजाह लौट गए थे। उनकी पत्नी टीना कुंदर उडुपी के उदयवारा की रहने वाली हैं और शारजाह के एक स्कूल में शिक्षिका हैं।

मीराबाई ने रचा इतिहास, एशियाड में भारत को 28 साल बाद दिलाया भारोत्तोलन पदक

49 किग्रा वर्ग में 198 किग्रा वजन उठाकर जीता रजत, एशियाई खेलों में पहली बार पदक से बढ़ाया देश का गौरव

आइची-नागोया, एजेंसी। भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए महिलाओं की 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। मीराबाई ने कुल 198 किग्रा वजन उठाकर यह उपलब्धि हासिल की। उनके इस पदक के साथ ही एशियाई खेलों में भारोत्तोलन में भारत का 28 साल से चला आ रहा पदक का इंतजार खत्म हो गया। मीराबाई ने स्लैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 83 किग्रा से शुरुआत की। दूसरे प्रयास में उन्होंने 85 किग्रा और तीसरे प्रयास में 87 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया। स्लैच के बाद वह पदक की दौड़ में मजबूती से बनी हुई थीं। क्लीन एंड जर्क में भी मीराबाई ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 107 किग्रा और दूसरे प्रयास में 111 किग्रा वजन उठाया। इसके बाद उन्हें तीसरे प्रयास की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस तरह उनका कुल स्कोर 87 किग्रा स्लैच और 111 किग्रा क्लीन एंड जर्क मिलाकर 198 किग्रा रहा।



उत्तर कोरिया की रि सोंग गुम को स्वर्ण

स्पर्धा में उत्तर कोरिया की रि सोंग गुम ने 215 किग्रा के कुल वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्लैच में 94 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 121 किग्रा वजन उठाया। इंडोनेशिया की विजायाना लुलुक डियाना त्रि ने 191 किग्रा के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

1998 के बाद भारत को मिला पदक

मीराबाई के रजत पदक ने एशियाई खेलों में भारोत्तोलन के क्षेत्र में भारत का लंबा इंतजार समाप्त कर दिया। भारत ने इससे पहले 1998 बैकॉक एशियाई खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी के जरिए भारोत्तोलन में रजत पदक जीता था। उसके बाद भारतीय भारोत्तोलकों को एशियाई खेलों में पदक नहीं मिल सका था। मीराबाई ने 28 साल बाद इस सिलसिले को तोड़ दिया।

पटना में लाखों की नकदी के साथ तीन गिरफ्तार, गुजरात से कोलकाता ले जाई जा रही थी रकम

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में पुलिस और आयकर विभाग ने हवाला नेटवर्क से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लिया है। इनके पास से करीब 30 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी बरामद होने के बाद जांच एजेंसियों ने मामले की पड़ताल तेज कर दी है। जांच का दायरा बढ़ते हुए शहर के कई ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई भी जारी है।

मामला बुद्ध कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित अरण्य बलभद्र अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर



मूर्ति विसर्जन में हादसे: बिहार-लखनऊ में 14 डूबे, 3 की मौत, 8 लापता

पटना/लखनऊ। कर्मा-धर्मा और गणेश पूजा की मूर्ति विसर्जन के दौरान बिहार और लखनऊ में नदी में डूबने की अलग-अलग घटनाओं में कई लोग हादसे का शिकार हो गए। बिहार के पटना जिले में गंगा में विसर्जन के दौरान 11 लोग डूबने लगे। इनमें चार लोगों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया, जबकि एक युवक का शव बरामद हुआ है और छह लोगों की तलाश जारी है। वहीं, लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में सई नदी में गणेश प्रतीमा विसर्जन के दौरान तीन युवक डूब गए। इनमें एक का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दो की तलाश एनडीआरएफ और एस्डीआरएफ की टीमों कर रही है। पटना जिले के बाढ़, अथमलगोला और बरिहतयापुर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग घटनाएं हुईं। बाढ़ के पोस्ट ऑफिस घाट पर मूर्ति विसर्जन के बाद खान करने के दौरान तीन युवक डूबने लगे। एक को बचा लिया गया, जबकि पीरूष कुमार (10) और सुजीत कुमार (15) लापता हैं। अथमलगोला के उरमामापुर में विसर्जन के दौरान भाई-बहन गंगा में डूब गए। दोनों की तलाश जारी है। बरिहतयापुर के चंपापुर गांव के पास छह युवक विसर्जन के दौरान गंगा में डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने तैनी को बचा लिया। तीन अन्य में सहिल कुमार की मौत हो गई, जबकि गोलू कुमार और बलवीर कुमार की तलाश जारी है।

30 लाख कैश ने खोला हवाला का राज 3000 करोड़ के नेटवर्क की आशंका



101 से जुड़ा है। बताया गया है कि एक कार से टक्कर के बाद पुलिस ने सदियध इनोवा क्रिस्टा का पीछा किया। वाहन को रोककर तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में नकदी मिली। रकम के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस ने वाहन में सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान

संजय कुमार, दिग्विजय ठाकुर और पटेल कारण कुमार सिंधाभाई के रूप में बताई गई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार तीनों गुजरात से इनोवा क्रिस्टा में नकदी लेकर निकले थे और रकम की डिलीवरी कोलकाता में किए जाने की बात सामने आई है। इसी दौरान पटना में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और पुलिस की नजर वाहन पर पड़ गई। नकदी बरामद होने

आजमगढ़ में खूनी पूजा का खौफनाक अंत

पत्नी-पुजारियों को गोलियों से भूना, बच्चों को बनाया बंधक

आजमगढ़, यशभारत। आजमगढ़ जिले के शंभुपुर गांव में मंगलवार शाम हुई सनसनीखेज वारदात के बाद करीब आठ घंटे तक चले गतिरोध का अंत पुलिस मुठभेड़ में हुआ। पत्नी और दो पुजारियों की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी अरविंद सिंह ने अपने तीन बच्चों को घर के भीतर बंधक बना लिया था। पुलिस के मुताबिक, बच्चों को बचाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एनकाउंटर में आरोपी ढेर



महेंद्र पाठक की पहचान पुजारी के रूप में हुई है। घटना के दौरान दो अन्य पुजारी मौके से भागने में सफल रहे। तीनों की हत्या के बाद अरविंद ने अपने तीन बच्चों को घर के भीतर बंद कर लिया और खुद भी अंदर रहकर पुलिस को चुनौती देने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके को घेर लिया और आरोपी से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने तथा आत्मसमर्पण करने की लगातार अपील की। आजमगढ़ एसएसपी डॉ. अनिल कुमार के मुताबिक, आरोपी बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रहा था। इसी दौरान उसने कमरे के भीतर बच्चों पर भी गोली चलाई, जिसमें उसके

10 वर्षीय बेटे को गोली लग गई। पुलिस के मुताबिक, बच्चों की ओर से खरारा सामने आने के बाद टीम ने तत्काल कार्रवाई की। गोली चलने की आवाज सुनाई देने पर पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़कर भी अंदर प्रवेश करने का प्रयास किया। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की, जिसमें अरविंद को गोली लगी। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, गोली लगने से घायल 10 वर्षीय बेटे को भी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

मंत्रियों की ‘वलास’ आज से, कल रिव्यू, तैयार होगा रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली, यशभारत। मोदी सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा के लिए बुधवार से दो दिवसीय चिंतन शिविर शुरू हो गया। ‘विकसित भारत2047’ की थीम पर आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रियों के साथ सरकार की प्राथमिकताओं, योजनाओं की प्रगति और जनता से जुड़े मुद्दों पर मंथन करेंगे। शिविर 24 सितंबर तक चलेगा। पहले दिन मंत्रियों को अपने विभाग और क्षेत्र से जुड़े कामकाज पर प्रेजेंटेशन देना है। दूसरे दिन इन प्रस्तुतियों और काम की समीक्षा की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रियों के प्रदर्शन को ‘एक्सीलेंट, गुड, एवरेज और पुअर’ जैसी श्रेणियों में आंका जा सकता है। तैयार रिपोर्ट कार्ड को भविष्य



युवाओं के साथ संवाद के लिए अब तक क्या कदम उठाए, उनके क्षेत्र में युवाओं के प्रमुख मुद्दे क्या हैं और इन समस्याओं के समाधान के लिए क्या योजना बनाई गई है। UGC से जुड़े मुद्दे भी एजेंडे में बताए गए हैं। इसके अलावा महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित विधायी कदमों पर भी चर्चा और मंत्रियों से सुझाव लिए जाने की बात सामने आई है।

में कैबिनेट फेरबदल के दौरान भी आधार बनाए जाने की चर्चा है।

Gen Z और रोजगार पर खास फोकस – चिंतन शिविर में युवाओं, खासकर तदुद्ु के साथ संवाद, रोजगार और मौजूदा मुद्दों को लेकर सरकार की रणनीति पर चर्चा होगी। मंत्रियों से पूछा जाएगा कि उन्होंने

एआई से बदला युद्ध का चेहरा, ड्रोन बने नए हथियार

मदन गार्ग
<i>जबलपुर। कभी शादी-विवाह और अन्य आयोजनों में वीडियोग्राफी तथा फूल बरसाने के लिए इस्तेमाल होने वाले ड्रोन आज आधुनिक युद्ध के महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने ड्रोन की सैन्य उपयोगिता को व्यापक स्तर पर सामने रखा है। निगरानी से लेकर सटीक हमलों और काउंटर-ड्रोन अभियानों तक इनका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।</i>

आधुनिक युद्ध में छोटे एफपीवी (First Person View) ड्रोन, लोडस्टरिंग म्यूनिशन, मानवरहित हवाई वाहन (UAV) और ड्रोन स्वामं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एफपीवी ड्रोन को ऑपरेटर कैमरे के माध्यम से नियंत्रित करता है और युद्धक्षेत्र में निगरानी तथा लक्षित हमलों के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है। लोडस्टरिंग म्यूनिशन लक्ष्य क्षेत्र में कुछ समय तक



मंडराने के बाद लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम होते हैं।

ड्रोन तकनीक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और कंप्यूटर विजन का इस्तेमाल भी बढ़ रहा है। इससे नेविगेशन, वस्तु पहचान और लक्ष्य की निगरानी जैसे कार्य अधिक स्वचालित हो सकते हैं। वहीं ड्रोन स्वामं में बड़ी संख्या में ड्रोन नेटवर्क के माध्यम से समन्वित तरीके से काम करते हैं। इससे एक साथ कई दिशाओं से कार्रवाई करने की क्षमता विकसित होती है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को ड्रोन युद्ध के बड़े प्रयोगक्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। दोनों पक्षों ने निगरानी और हमलों के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया है। सितंबर 2026 में यूक्रेन द्वारा रूस के खिलाफ एक बड़े अभियान में एक हजार से अधिक ड्रोन इस्तेमाल किए जाने की रिपोर्ट सामने आई। इससे युद्ध में ड्रोन की बढ़ती भूमिका का अंदाजा लगाया जा सकता है।

भारत ने भी ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीक पर अपना ध्यान बढ़ाया है। भारत ने अमेरिका के साथ 31 MQ -9B ड्रोन की खरीद का अनुबंध किया है। इनमें 16 SeaGuardian और 15 SkyGuardian शामिल हैं। इनका उपयोग मुख्य रूप से लंबी दूरी की निगरानी और समुद्री क्षेत्र की निगरानी जैसे अभियानों में किया जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीक का महत्व सामने आया। भारत की एकीकृत वायु-रक्षा और काउंटर-यूएसएस प्रणालियों ने ड्रोन खतरों से निपटने

में भूमिका निभाई। इसके साथ ही स्वदेशी ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों के विकास पर जोर बढ़ा है। भारत के अलावा पाकिस्तान और बांग्लादेश भी ड्रोन क्षमता बढ़ाने में जुटे हैं। पाकिस्तान ने चीन और तुर्किये के साथ सहयोग के जरिए अपनी मानवरहित हवाई क्षमता विकसित की है। बांग्लादेश ने चीन के साथ स्थानीय स्तर पर ड्रू निर्माण और असेंबली क्षमता विकसित करने के लिए समझौता किया है। ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल के साथ काउंटर-ड्रोन तकनीक भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। रेंडियो-फ्रीक्वेंसी जैमिंग, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, माइक्रोवेव और डायरेक्टेड-एनर्जी जैसी तकनीकों पर काम हो रहा है। कुल मिलाकर, ड्रोन ने युद्ध की रणनीति और तकनीक दोनों को बदलना शुरू कर दिया है। आने वाले समय में एआई, स्वामं और स्वयंचाल प्रणालियां युद्धक्षेत्र की तस्वीर को और बदल सकती हैं। भारत के लिए चुनौती अत्याधुनिक ड्रोन बनाने के साथ-साथ मजबूत ड्रोन-रोधी सुरक्षा तंत्र विकसित करने की भी है।

सात प्रमुख विसर्जन स्थलों का आयुक्त ने किया निरीक्षण, 1399 प्रतिमाओं का विधि-विधान से कराया गया विसर्जन

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए निगम ने संभाली कमान

भोपाल, यश भारत ।

गणेश प्रतिमाओं के ससम्मान और सुरक्षित विसर्जन के लिए नगर निगम ने शहरभर में व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। डोल ग्यारस पर छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 25 अस्थायी एकत्रीकरण केंद्र और चार विसर्जन घाट बनाए गए। समाचार लिखे जाने तक इन केंद्रों और घाटों पर कुल 1399 गणेश प्रतिमाएं प्राप्त कर विधि-विधान से विसर्जित कराई जा चुकी थीं। विसर्जन व्यवस्था का जायजा लेने निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने मंगलवार सुबह शहर के सात प्रमुख विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रेमपुरा, रानी कमलापति, खटलापुरा, शाहपुरा, बैरागढ़, मालीखेड़ा और हथाईखेड़ा स्थित घाटों व कुंडों पर व्यवस्थाएं देखीं। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन के दौरान प्रकाश, पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था में किसी तरह की कमी न



रहे। प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रोन सहित अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखने तथा विसर्जन के बाद प्रतिमाओं के अवशेष तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए।

सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी

विसर्जन के दौरान सुरक्षा को लेकर घाटों पर बैरिकेडिंग, गोताखोर, नाव और आवश्यक उपकरणों से लैस अग्निशमन दल की व्यवस्था

सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रमुख विसर्जन स्थलों पर नियंत्रण कक्ष स्थापित कर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से व्यवस्थाओं के संचालन के निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र और सूचना पट्टों की



व्यवस्था भी रखने को कहा गया।

खटलापुरा घाट पर सबसे ज्यादा 564 प्रतिमाएं

जोन स्तर पर बनाए गए प्रतिमा एकत्रीकरण केंद्रों और विसर्जन

घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने छोटी गणेश प्रतिमाएं निगम को सौंपीं। बैरागढ़ अग्निशमन केंद्र पर 63, शाहपुरा विसर्जन घाट पर 100 और खटलापुरा घाट पर सबसे अधिक 564 प्रतिमाएं प्राप्त हुईं। पांच नंबर तालाब, नेहरू नगर और

पीएंडटी चौराहा केंद्रों पर 88 प्रतिमाएं पहुंचीं। मीनाल रेसीडेंसी केंद्र पर 56, कालीजी मंदिर पर 35, लालघाटी क्षेत्र में 20 तथा नादरा बस स्टैंड और मंगलवारा क्षेत्र में 13 प्रतिमाएं प्राप्त हुईं। वहीं नीलबड़,

प्रेमपुरा और रानी कमलापति क्षेत्र में कुल 398 प्रतिमाएं पहुंचीं। अन्य जोन के एकत्रीकरण केंद्रों पर भी प्रतिमाएं प्राप्त कर उनका विधि-विधान से विसर्जन कराया गया।

निगम आयुक्त ने डोल ग्यारस पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए अस्थायी एकत्रीकरण एवं विसर्जन स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छोटी प्रतिमाओं को कुंडों और निर्धारित पात्रों में विधि-विधान से विसर्जित कराने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अश्वय कुमार तेम्रवाल, तन्मय वशिष्ठ शर्मा, वरुण अवस्थी, अमन मिश्रा, अभिषेक सिंह, वरुण बडैरिया, उपायुक्त भुवन गुप्ता व चंचलेश गिरहारे सहित मुख्य अभियंता संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, आर.आर. जरोलिया और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।



डोल ग्यारस पर राधाकृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना

भोपाल, यश भारत । महापौर मालती राय ने डोल ग्यारस के अवसर पर बरखेड़ी स्थित राधाकृष्ण मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान राधाकृष्ण के दर्शन कर धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर जोगी समाज की ओर से महापौर का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में हेमंत जोगी, साधना यादव, देवेंद्र जोगी सहित समाज के पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

सीबीएसई पश्चिम क्षेत्र टेनिस प्रतियोगिता का समापन, विजेता खिलाड़ियों को मिले पुरस्कार

भोपाल, यश भारत।

खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। यह बात नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने आईईएस पब्लिक स्कूल में आयोजित सीबीएसई पश्चिम क्षेत्र टेनिस प्रतियोगिता के समापन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश और गुजरात के बालक-



बालिका खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। समापन अवसर पर विभिन्न वर्गों के

विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

गया। आयोजकों ने निगम अध्यक्ष का भी सम्मान किया।

बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेज

भोपाल, यश भारत । मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना के तहत बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का निर्माण तेजी से चल रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार पहले खंड का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है और 2027 में इस पर सेवा शुरू करने की तैयारी है। ट्रेन के ढांचे, बोगी, प्रणोदन प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पहिए और पेंटोग्राफ पर काम जारी है। ट्रेन के ढांचे की मजबूती की जांच के लिए परीक्षण भी किया जा रहा है। सेवा शुरू होने से पहले व्यापक परीक्षण किए जाएंगे। बीकेसी-ठाणे समुद्र के नीचे बनने वाली सुरंग का काम भी आगे बढ़ रहा है। शाफ्ट और दोनों टनल बोरिंग मशीनों की स्थापना पूरी हो चुकी है। कॉरिडोर में सुरंग, स्टेशन और पुल निर्माण के कार्य भी जारी हैं।

1120 दीपक जलाकर संतजी के संदेश को दोहराया

एलवीएस ने मनाया अवतरण दिवस, सांस्कृतिक कार्यक्रम



हिरदाराम नगर, यशभारत।

लक्ष्मीदेवी विक्थोमल शर्माफ एज्यूकेशनल सोसायटी गांधीनगर के विद्यालयों में संत हिरदाराम साहिबजी के अवतरण दिवस पर कुटिया पर 1120 दीपक प्रज्वलित किए गए विद्यालय में विद्यार्थियों ने संत जी के जीवन और विचारों पर आधारित भजन, नाटक, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस अवसर पर संस्था के रमेश हिंमोरांनी ने कहा कि संत हिरदाराम साहिब जी का जीवन सत्य, प्रेम, सेवा और मानवता का प्रतीक है, जो समाज को हमेशा सकारात्मक दिशा दिखाता रहा। अंत में, सभी छात्रों और शिक्षकों ने रामधुनी का गायन कर संत जी के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया।गणमान्य नागरिक, शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्य, शिक्षा और शांति के दीप जलाए

संत हिरदाराम जी साहिब के 120वें अवतरण दिवस पर संतनगर सहित विभिन्न शहरों में दीप प्रज्वलित कर संतजी सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्य, शिक्षा और शांति के संदेश को दोहराया गया। संतनगर में शाम 7 बजे प्रत्येक घर और व्यापारिक प्रतिष्ठान पर पाँच-पाँच दीप जलाए गए। संतजी के समाधि स्थल पर 1,120 दीपों की ज्योति प्रज्वलित की गई। यह दीप केवल प्रकाश के प्रतीक नहीं थे, बल्कि संत जी के सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्य, शिक्षा और शांति के संदेश को आने वाली पीढ़ियों तक 1,000 वर्षों तक पहुँचाने के अटूट संकल्प का प्रतीक बने। इस अवसर पर जीव सेवा संस्थान सचिव महेश दयारामनी व गणमान्य लोग शामिल हुए

एसएचआईएम की सलोनी एवं मुस्कान ने फाइनल में जगह बनाई

एसएचआईएम में हुआ नेशनल फाइनैशियल लिटरेसी विवज का सेंट्रल रीजनल राउंड



हिरदाराम नगर, यशभारत।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एसएचआईएम में सेबी के मार्गदर्शन में एनआईएसएम द्वारा 19-20 सितंबर 2026 को नेशनल फाइनेशियल लिटरेसी विवज के सेंट्रल रीजनल राउंड का आयोजन किया गया। देशभर के 2,000 से अधिक कॉलेजों और 4 लाख विद्यार्थियों में से मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की श्रेष्ठ यूजी और पीजी वर्ग की 60-60 टीमों का चयन इस चरण के लिए हुआ था। प्रतिस्पर्धा में आईआईएम रायपुर, वीआईटी भोपाल और सिम्बायोसिस इंदौर जैसे प्रमुख संस्थानों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता से भोपाल की यूजी वर्ग की 4 और पीजी वर्ग की 2 टीमों राष्ट्रीय फाइनल के लिए क्वालीफाई हुईं। एसएचआईएम की सलोनी वर्मा एवं मुस्कान साहू ने राष्ट्रीय स्तर के फाइनल में अपनी जगह बनाई। राष्ट्रीय फाइनल का आयोजन 30 नवंबर 2026 को एनआईएसएम एवं छत्तीसगढ़ की श्रेष्ठ यूजी और पीजी वर्ग की 60-60 टीमों का चयन इस चरण के लिए हुआ था। प्रतिस्पर्धा में आईआईएम रायपुर, वीआईटी भोपाल और सिम्बायोसिस

मनुआभा न टेकरी प्लांट से आज जलप्रदाय रहेगा प्रभावित

भोपाल, यश भारत। मनुआभा न टेकरी जलसंधिख संयंत्र में आवश्यक संधारण और राष्ट्रीय राजमार्ग के इंटर कनेक्शन कार्य के चलते बुधवार, 23 सितंबर को सुबह 5 बजे से रात 11.59 बजे तक शटडाउन लिया जाएगा। इसके कारण प्लांट से जुड़े कई क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। बरमूल कॉलोनी, नवाब कॉलोनी, प्रेमनगर, सुंदरनगर, रासलाखेड़ी, मालीखेड़ी, भानपुर रोड, करोंद, देवकी नगर, कमल नगर, पंचवटी कॉलोनी, छोला मंदिर, सत्यज्ञान नगर, शंकर नगर, टिंबर मार्केट, नगर निगम कॉलोनी सहित संबंधित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार

छात्र संघ पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

भोपाल, यश भारत।

महापौर मालती राय ने शिवाजी नगर स्थित शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र संघ की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। महापौर ने छात्राओं को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने और विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पार्षद शिखा गोहल, प्राचार्य, शिक्षक और छात्राएं मौजूद रहीं।



21 पशु कांजी हाउस भेजे, सात घायल पशु अस्पताल पहुंचे

भोपाल, यश भारत।

नगर निगम ने सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर खुले में घूम रहे पशुओं के खिलाफ अभियान चलाते हुए मंगलवार को 21 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा। बीमार और घायल सात पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय पहुंचाया गया। निगम की हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया, जबकि 18 पशुओं को खजूरीकलां कांजी हाउस से रामकृष्ण गौशाला भेजा गया। मालीखेड़ी, संत हिरदाराम नगर, प्रेमपुरा, खटलापुरा, शाहपुरा, हथाईखेड़ा, रानी कमलापति घाट, कमला पार्क, आनंद नगर, करोंद, भानपुर, बैरागढ़, लालघाटी और कोलार रोड सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया गया।

बीना स्टेशन पर काम से बदलेगा ट्रेनों का संचालन

भोपाल, यश भारत ।

बीना स्टेशन पर तीसरी रेल लाइन की कनेक्टिविटी से जुड़े प्री-एनआई और एनआई कार्य के चलते अक्टूबर में कई ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस समेत कुछ ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं, जबकि कुछ को बीच के स्टेशनों से चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस और 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 1 से 15 अक्टूबर तक परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस संत हिरदाराम नगर, मक्सी और रुठियाई होकर कोटा जाएगी। दमोह-बीना पैसेंजर 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक बीना मालखेड़ी पर समाप्त होगी और बीना-ग्वालियर पैसेंजर इसी स्टेशन से शुरू होगी। रुठियाई-बीना और बीना-रुठियाई मेमू 18 से 29 सितंबर तक महादेवखेड़ी से चलेंगी। वहीं



इटारसी-भोपाल और भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस 9 से 15 अक्टूबर तक दमोह तक ही संचालित होंगी।

15 दिनों के अंदर खामियां दूर करने का अल्टीमेटम दिया

ब्रिज निर्माण की प्रगति देखने आए लोनिवि मंत्री ने अफसरों और निर्माण कंपनी को लगाई फटकार

हिरदाराम नगर, यशभारत

संत हिरदाराम नगर में निर्माणाधीन ओवरब्रिज और उसके आसपास की बहाल सड़कों की जमीनी हकीकत परखने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री राकेश सिंह मंगलवार को अचानक निरीक्षण पर पहुंचे। स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ निर्माण स्थल का जायजा लेते हुए मंत्री ने मौके पर फैली अव्यवस्थाओं पर गहरी नाराजगी जताई। कार्य की धीमी रफ्तार और लापरवाही को देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और अगले 15 दिनों के भीतर सभी खामियों को दुरुस्त करने का



कड़ा अल्टीमेटम दिया।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर पेनाल्टी के आदेश

स्थल निरीक्षण के दौरान निर्माण क्षेत्र की सड़कें बेहद जर्जर और बड़े-बड़े

गड्ढों से भरी पाई पाई। स्ट्रीट लाइटें बंद रहने और सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम न होने पर रोष जताते हुए मंत्री ने मौके पर ही निर्माण कंपनी पर पेनाल्टी ठोकने के कड़े निर्देश जारी किए। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों को

धूल से निजात दिलाने के लिए नियमित पानी के छिड़काव, सिविल अस्पताल के पास की अव्यवस्थाओं को ठीक करने और रात में काम के दौरान पर्याप्त लाइटिंग व सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

ग ों की शिकायत के लिए जनता से मदद की अपील

जनसुविधा को सर्वोपरि बताते हुए मंत्री राकेश सिंह ने एक नई पहल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी की किसी भी सड़क पर गड्ढा दिखने पर आम नागरिक उसकी फोटो खींचकर साझा कर सकते हैं, ताकि विभाग उस पर तुरंत कार्रवाई कर सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इंजीनियरों की कार्यशैली में सुधार लाया जा रहा है और जनता के बाद उन्होंने अब तक हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों से आगे की कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए समय पर काम पूरा करने की हिदायत दी।

तय समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

यद्यपि इस फ्लाईओवर प्रोजेक्ट को पूरा करने की मूल समय-सीमा अक्टूबर तय की गई है, फिर भी मंत्री ने पूरी प्रशासनिक कसावट के साथ काम में तेजी लाने पर बल दिया। विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ पूरे मार्ग का मुआयना करने के बाद उन्होंने अब तक हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों से आगे की कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए समय पर काम पूरा करने की हिदायत दी।

संपादकीय

सख्त कानून, फिर भी बेटियां महफूज नहीं

दिल्ली ,बिहार से लेकर ओडिशा तक सामने आई महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं समाज को झकझोरने के लिए काफी हैं। ये घटनाएं महज अपराध की खबरें नहीं हैं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की परीक्षा हैं। छह साल की बच्चों से दुष्कर्म, युवती से कथित सामूहिक दुष्कर्म, नाबालिगों के साथ सड़क पर बदसलूकी और वीडियो प्रसारित करने के आरोप तथा प्रेम का दबाव ठुकराने पर छात्रा पर हमला—घटनाएं अलग हैं, लेकिन सवाल एक है- आखिर अपराधियों में कानून का भय क्यों नहीं दिखता?

हर घटना के बाद एफआईआर, गिरफ्तारी, छापेमारी और जांच की घोषणा होती है। मगर जवाबदेही केवल कार्रवाई

की घोषणा तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। संबंधित थाना क्षेत्र में शिकायत मिलने पर कितनी तेजी से प्रतिक्रिया हुई? संभावित खतरे की सूचना पहले मिली थी तो क्या कदम उठाए गए? जांच में देरी हुई तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? इन सवालों के जवाब सार्वजनिक और स्पष्ट होने चाहिए।

पुलिस की जवाबदेही सबसे पहली कड़ी है। उत्पीड़न, पीछा करने या धमकी जैसी शिकायतों को ‘छोटी बात’ समझकर टालना गंभीर भूल हो सकती है। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिकायत दर्ज कराने वाली महिला या बच्ची को सुरक्षा मिले और संवेदनशील मामलों की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी करें। केवल आरोपी की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं; जांच की गुणवत्ता और अदालत में मजबूत अभियोजन की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

जमुई और ढेंकनाल जैसी घटनाएं समाज की भूमिका पर भी कठोर सवाल उठाती हैं। पीड़क के सामने कथित बदसलूकी होती रहे और लोग मदद करने के बजाय वीडियो बनाते रहें, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का संकट नहीं, सामाजिक संवेदनहीनता का भी संकेत है। वीडियो बनाकर उसे फैलाना पीड़िता की गरिमा पर दूसरा आघात है। ऐसे मामलों में वीडियो प्रसारित करने वालों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

सरकारों को हर घटना के बाद बयान जारी करने के बजाय नियमित रूप से यह बताना चाहिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में गरत, प्रकाश व्यवस्था, शिकायत तंत्र और त्वरित सहायता की व्यवस्था कितनी प्रभावी है। पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही भी केवल अपराध के बाद की कार्रवाई से नहीं, रोकथाम की तैयारियों से तय होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है पीड़ित को न्याय की समयबद्धता। जांच लंबी खिंचे, अभियोजन कमजोर हो और मामला वर्षों तक चलता रहे तो कानून का भय कमजोर पड़ता है। इसलिए हर गंभीर मामले में जांच की समयसीमा, पर्यवेक्षण और अभियोजन की प्रगति की निगरानी जरूरी है।

अब सवाल सिर्फ यह नहीं कि आरोपी कब पकड़ा जाएगा। सवाल यह भी है कि सुरक्षा में चूक कहाँ हुई, उसके लिए कौन जिम्मेदार है और उसे सुधारने की जवाबदेही किसकी है। बेटियों की सुरक्षा घोषणाओं से नहीं, जवाबदेह व्यवस्था से सुनिश्चित होगी।

कड़वे वचन

महावीर ने कहा द्वेष की तरह राग भी आग है । राग और द्वेष क्या है ? इसे यों समझिए कि जब अपना बच्चा रोता है तो दिल में दर्द होता है यह राग है और जब दूसर का बच्चा रोता है तो सिर में दर्द होता है यह द्वेष है । राग और द्वेष दोनों ही संसार के कारण हैं । फर्कइतना है कि द्वेष लोहे की बेड़ी है और राग सोने की । पर है तो दोनों की बेड़ियां, जो बंधन का काम करती हैं ।

आज का राशिफल

पंचांग:-23 सितंबर 2026

दिन बुधवार, माहाभद्र- शुक्ल पक्ष

विक्रम संवत 2083

ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

मेघ

शु.वे.चौ. सा.लौ.शु. रे.चौ.आ

खिला मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष

इ.उ.ए. आ.वा.चौ. शु.रे.आ

घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की शिलास में पावनी पिए

मिथुन

का.शु.क. शु.शु.शु. रे.चौ.आ

उधार लेने व देने से बचे धिमाशियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क

मी.दु.रे. शु.शु.शु. रे.चौ.आ

रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और मित्रि रूपान्तर का जाय करें

सिंह

मं.मी.शु. मं.मी.दु. रे.चौ.आ

वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या

दो.मी.शु. शु.शु.शु. रे.चौ.आ

कारोबारी कार्य में मन लगेशा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे और नमः पार्वती पति यह नमः का जाय करें

तुला

शु.मी.क. शु.मी.शु. रे.चौ.आ

धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक

मी.शु.आ. शु.मी.शु. का.शु.मं

मन प्रफुल्लित रहेगा तेज इाडुधियां से बचे हनुमानजी के दर्शन करें

धनु

शु.मी.आ. शु.मी.शु. शु.मी.शु. रे.चौ.आ

आज मनमोहक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर

मी.शु.आ. शु.मी.शु. शु.मी.शु. रे.चौ.आ

घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ

शु.मी.शु. शु.मी.शु. रे.चौ.आ

दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन

मी.दु.शु. शु.मी.शु. शु.मी.शु. रे.चौ.आ

लोगों के मैसरे पड़ कर मन परलज्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

विचार प्रवाह

धरती की गर्म हो रही सांस बढ़ते खतरे की घंटी

बढ़ता वैश्विक तापमान वाकई मानव सभ्यता और हमारी धरती के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और दुनिया भर के वैज्ञानिकों की ताजा रिपोर्टों के अनुसार, 2015 से 2025 तक के साल इतिहास के सबसे गर्म 11 साल दर्ज किए गए हैं और पृथ्वी का औसत तापमान लगातार 1.5 डिग्री सेल्सियस की खतरनाक सीमा को पार करने की ओर बढ़ रहा है।ग्लोबल वार्मिंग और मौसम के इस बदलते मिजाज के मुख्य कारण, उनके प्रभाव की गंभीरता को समझा जा सकता है। आपको बता दें कि धरती के बढ़ते औसत तापमान और उससे पैदा हो रहे जलवायु संकट को अब भविष्य की आशांका मानकर टालने का समय नहीं रहा। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से सामने आ रहे वैज्ञानिक आंकड़े इस बात के स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव हमारी कल्पना से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। ध्रुवीय क्षेत्रों में पिघलती बर्फ, बढ़ता समुद्री जलस्तर, महासागरों का गर्म होना, मौसम की चरम घटनाएं और अल नीनो जैसी समुद्री परिस्थितियों का लगातार शक्तिशाली होना आने वाले वर्षों के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल ही में वैज्ञानिक पत्रिका साइंटिफिक डेटा में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और नीति-निर्माताओं को गहरे संकट में डाल दिया है। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि हमारी धरती पर मंडराते अस्तित्व के खतरे का एक गंभीर घोषणापत्र है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1979 से अब तक ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से लगभग 12.5 ट्रिलियन टन (11.3 लाख करोड़ मीट्रिक टन) बर्फ पिघल चुकी है। इस पिघली हुई बर्फ की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यदि इसे पूरे अमेरिका महाद्वीप पर फैला दिया जाए, तो वहां 5 फीट गहरी बर्फ की चादर बिछ जाएगी। बर्फ का यह पिघलाना केवल ग्लेशियरों के सिमटने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह करीब 3 क्राड्रिलियन गैलन (11.3 क्राड्रिलियन लीटर) पानी में तब्दील हो चुका है। इसके परिणामस्वरूप 1979 से लेकर अब तक दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर लगभग 3.1 सेंटीमीटर (1 इंच) बढ़ चुका है। सुनने में .इंच का यह आंकड़ा भले ही मामूली लगे, लेकिन जैसा कि नार्थम्ब्रिया यूनिवर्सिटी की आइस साइंटिस्ट इस ओतोसाका चेतावनी देती हैं, इसके परिणाम अत्यंत भयानक हैं। समुद्र का जलस्तर हर एक-तिहाई इंच बढ़ने पर दुनिया भर के 20 से 30 लाख लोगों के इलाकों में हर साल कम से कम एक बार विनाशकारी बाढ़ आने का खतरा पैदा हो जाता है। तटीय शहर और द्वीप धीरे-धीरे जलसमाधि की ओर बढ़ रहे हैं। इस संकट का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बर्फ केवल गर्म हवा के कारण नहीं पिघल रही। महासागरों का बढ़ता तापमान ग्लेशियरों को नीचे और किनारों से कमजोर कर रहा है। गर्म समुद्री पानी बर्फ की विशाल परतों को काट रहा है, जिससे ग्लेशियर तेजी से टूटकर समुद्र में पहुंच रहे हैं। कुछ ग्लेशियरों के पीछे हटने की गति इतनी अधिक दर्ज की गई है कि वैज्ञानिक भी इसे गंभीर अस्थिरता के संकेत के रूप में देख रहे हैं। बीते पांच दशकों के आंकड़े एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखते हैं। पिछली सदी के सातवें, आठवें और नौवें दशक तक ध्रुवीय बर्फ की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर थी, लेकिन उसके बाद पिघलाव की रफ्तार तेजी से बढ़ी। विशेष रूप से पिछले डेढ़ दशक में यह परिवर्तन अधिक स्पष्ट दिखाई दिया है। कुछ वर्षों में भारी हिमपात या अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण पिघलने की गति अस्थायी रूप से कम अवश्य हुई, लेकिन इससे दीर्घकालीन खतरा समाप्त नहीं हुआ। वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव था, स्थायी सुधार नहीं। इसी बीच प्रशांत महासागर में अल नीनो की

एशियाई खेल 2026 में एआई गीता और वीर बताएँगे खेल की नई कहानी

खेल के मैदान में खिलाड़ियों का कौशल और स्टूडियो में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का संवाद, भारतीय खेल प्रसारण में तकनीक के नए युग की दस्तक नई दिल्ली। खेल की दुनिया में मुकाबला केवल मैदान पर नहीं होता। समय के साथ खेल को देखने, समझने और दर्शकों तक पहुंचाने का तरीका भी बदलता रहता है। कभी रेडियो की आवाज से खेल का रोमांच घर-घर पहुंचता था। फिर टेलीविजन ने दर्शकों को मैदान के करीब ला दिया। रंगीन प्रसारण, ग्राफिक्स, आँकड़ों और डिजिटल तकनीक ने खेल प्रस्तुति को नया रूप दिया। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई खेल प्रसारण की दुनिया में दस्तक दे चुकी है। एशियाई खेल 2026 इस बदलाव के गवाह बनने जा रहे हैं, जहाँ डीडी स्पोर्ट्स अपने स्टूडियो कार्यक्रमों में एआई आधारित दो स्पोर्ट्स विशेषज्ञ ‘गीता’ और ‘वीर’ को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेगा।

यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ‘गीता’ और ‘वीर’ केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले आभासी चेहरे नहीं होंगे। इन्हें स्टूडियो एंकर के साथ लाइव और वास्तविक समय में संवाद करने के लिए तैयार किया गया है। अर्थात् एआई अब केवल ग्राफिक्स, आँकड़ों या पृष्ठभूमि की तकनीक नहीं रहेगा, बल्कि खेल की बातचीत का हिस्सा बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। भारतीय खेल प्रसारण में यह प्रयोग होने वाले समय की एक ऐसी झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें मानव प्रस्तोता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ही मंच पर संवाद करते दिखाई दे सकते हैं।

प्रसार भारती स्पोर्ट्स ने बाॅश की एआई आधारित सहयोगी तकनीक एवोजो के साथ मिलकर इस पहल को आकार दिया है। एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह से शुरू होकर 4 अक्टूबर 2026 के समापन समारोह तक यह विशेष प्रस्तुति जारी रहेगी। डीडी स्पोर्ट्स के माध्यम से डीडी फ्री डिश पर इसकी पहुँच होगी। साथ ही प्रसार भारती स्पोर्ट्स के यूट्यूब मंच और प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म वेब्स पर भी दर्शक इसे देख सकेंगे। यानी यह प्रयोग पारंपरिक टेलीविजन और नए डिजिटल संसार के बीच एक साथ अपनी जगह बनाने जा रहा है।भारत में खेल प्रसारण की परंपरा बहुत पुरानी है। रेडियो के दौर में कमेंटेटर की आवाज ही दर्शकों के लिए मैदान का दृश्य रचती थी। क्रिकेट हो, हॉकी हो या एथलेटिक्स, शब्दों के माध्यम से खेल की पूरी तस्वीर घरों में बनती थी। टेलीविजन आने के बाद दर्शक खिलाड़ी की हर गतिविधि को अपनी आँखों से देखने लगा। इसके बाद तकनीक ने स्लो मोशन, डिजिटल ग्राफिक्स, आँकड़ों और विशेषज्ञ विश्लेषण के माध्यम से खेल को समझने का एक नया संसार बनाया। अब एआई उस यात्रा में एक और अध्याय जोड़ रहा है। ‘गीता’ और ‘वीर’ इसी नए अध्याय के प्रतीक हैं।

इन दोनों के नामों में भी भारतीयता की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता भले ही वैश्विक



मजबूत होती स्थिति ने चिंताओं को और बढ़ा दिया है। समुद्र की सतह के साथ-साथ भीतर जमा असामान्य गर्म पानी वैश्विक मौसम तंत्र को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अल नीनो का प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण दुनिया के विभिन्न भागों में में कहीं सूखा, कहीं अत्यधिक वर्षा, कहीं भीषण गर्मी और कहीं जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं। भारत के संदर्भ में भी यह विशेष चिंता का विषय है। भारतीय मानसून का संबंध केवल एक समुद्री परिस्थिति से नहीं है, फिर भी प्रशांत महासागर में होने वाले बड़े बदलाव मानसूनी हवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए अल नीनो को लेकर किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा, लेकिन इसके जोखिम को नजरअंदाज करना भी गंभीर भूल होगी। भारत पहले ही अत्यधिक गर्म दिनों, अचानक होने वाली भारी बारिश, बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी घटनाओं में बढोतरी महसूस कर रहा है। हिमालयी क्षेत्र के लिए यह खतरा और भी गंभीर है। बढ़ते तापमान के कारण हिमनदों और ऊँचाई वाले क्षेत्रों की बर्फ के व्यवहार में बदलाव आ रहा है। बर्फ, चट्टानों और हिमनद झीलों से जुड़ी अचानक घटनाएं नीचे बसे इलाकों के लिए विनाशकारी बन सकती हैं। इसलिए अब मौसम संबंधी चेतावनी प्रणाली को केवल वर्षा और तूफान तक सीमित रखने से काम नहीं चलेगा। हिमनदों, पर्वतीय झीलों, बर्फ के खिसकने और चट्टानों की अस्थिरता पर भी लगातार निगरानी आवश्यक है। वैज्ञानिक लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि कुछ मिनट पहले मिलने वाली विश्वसनीय चेतावनी भी हजारों लोगों के जीवन और संपत्ति को बचा सकती है। भारत जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध देश के लिए आधारभूत उपग्रहों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मौसम पूर्वानुमान और स्थानीय स्तर की चेतावनी व्यवस्था का विस्तार बेहद जरूरी हो गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विश्वविद्यालयों तथा वैज्ञानिक संस्थानों को इस दिशा में मिलकर काम करना होगा। यह भी समझाना होगा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तत्काल समाप्त होने वाला नहीं है। यदि दुनिया आज से ही तापमान बढ़ाने वाली गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी कर दे, तब भी महासागरों और हिमनदों में जमा पिछले दशकों की गर्मी का असर लंबे समय तक दिखाई देता रहेगा। यही कारण है कि जलवायु संकट से निपटने की रणनीति दो स्तरों पर होनी चाहिए। पहला, कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण को तेजी से कम करना और दूसरा, उन परिवर्तनों के लिए समाज और बुनियादी ढांचे को तैयार करना जिन्हें अब पूरी तरह

रोका नहीं जा सकता। शहरों में हरित क्षेत्रों का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों का इस्तेमाल, जंगलों की सुरक्षा, जल स्रोतों का संरक्षण और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण अब केवल पर्यावरण से जुड़े विषय नहीं हैं। ये आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के सवाल बन चुके हैं। इसी प्रकार समुद्री तटों, हिमालयी राज्यों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विकास योजनाओं को जलवायु जोखिमों को ध्यान में रखकर तैयार करना होगा। सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिकों की चिंता मानना बंद किया जाए। आज लिए गए फैसलों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। धरती का बढ़ता तापमान हमें लगातार चेतावनी दे रहा है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किए बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है। सवाल अब यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन होगा या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके नुकसान को कितना सीमित कर पाते हैं और आने वाले संकट के लिए कितनी जल्दी स्वयं को तैयार कर पाते हैं। यही आने वाले समय की सबसे बड़ी पर्यावरणीय और मानवीय चुनौती है। दुनिया भर में भयानक हीटवेव , बेमौसम भारी बारिश, जंगलों की आग और भयंकर सूखे की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। उदाहरण के लिए, यूरोप इस समय सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन चुका है। प्रशांत महासागर में उठने वाले एल नीनो के कारण वैश्विक मौसमी सिस्टम बिगड़ रहा है, जिससे कई देशों में सूखा और कहीं बाढ़ आ रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और वैज्ञानिकों के अनुसार, तापमान बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। यदि यही स्थिति रही, तो समुद्र का जलस्तर बढ़ने से दुनिया के कई प्रमुख तटीय शहर समुद्र में समा सकते हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण फसलों की बर्बादी, जल संकट जैसे जलाशयों के जलस्तर में ऐतिहासिक गिरावट और हीट स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां बढ़ रही हैं।धरती के गर्म होने के पीछे इंंसानी गतिविधियां और जीवाश्म ईंधन जैसे - कोयला, तेल और गैस का अंधाधुंध इस्तेमाल है। इनसे निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड सूर्य की गर्मी को अंतरिक्ष में वापस जाने से रोकती हैं, जिससे पृथ्वी का ऊष्मा असंतुलन पिछले दो दशकों में दोगुना हो चुका है।समय पर नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

(लेखक - ललित गर्ग)

खेल प्रसारण वही होगा, जहाँ तकनीक और मानवीय

अनुभव एक-दूसरे के पूरक बनें।

युवा दर्शकों के बदलते व्यवहार को भी इस पहल के संदर्भ में समझना होगा। आज की पीढ़ी मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बीच बड़ी हुई है। वह केवल कार्यक्रम देखने वाली पीढ़ी नहीं है, बल्कि तत्काल सूचना और संवाद की अपेक्षा रखने वाली पीढ़ी है। खेल के दौरान खिलाड़ी के आँकड़े जानना हो, किसी रिकॉर्ड का इतिहास समझना हो या किसी मुकाबले की पृष्ठभूमि जाननी हो, युवा दर्शक तुरंत जानकारी चाहता है। एआई आधारित प्रस्तुति इसी बदलती दर्शक संस्कृति के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास है।प्रसार भारती के लिए यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सार्वजनिक सेवा प्रसारण की सबसे बड़ी ताकत उसकी व्यापक पहुँच है। एक ओर डीडी फ्री डिश देश के बड़े हिस्से तक पहुँच प्रदान करता है, तो दूसरी ओर यूट्यूब और ओटीटी जैसे मंच नई पीढ़ी के दर्शकों को जोड़ते हैं। इन दोनों माध्यमों को एक साथ लेकर चलना भारतीय खेल प्रसारण को अधिक व्यापक और बहुस्तरीय बना सकता है।एशियाई खेल 2026 इस प्रयोग के लिए उपयुक्त मंच है। एशिया की खेल प्रतिभा एक ही जगह दिखाई देगी। भारत के खिलाड़ियों से करोड़ों देशवासियों की भावनाएँ जुड़ी होंगी। पदक तालिका से लेकर व्यक्तिगत रिकॉर्ड तक हर दिन नई कहानियाँ सामने आएँगीं। ऐसे माहौल में ‘गीता’ और ‘वीर’ का एआई आधारित संवाद यह दिखाने का प्रयास करेगा कि तकनीक खेल की कहानी कहने के तरीके को किस तरह बदल सकती है।

यह बदलाव केवल प्रसारण तक सीमित नहीं रहने वाला है। आने वाले समय में खेल प्रशिक्षण, खिलाड़ी विश्लेषण, दर्शक अनुभव, बहुभाषी कमेंट्री, आँकड़ा विश्लेषण और डिजिटल सामग्री निर्माण में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका बढ़ सकती है। विश्व के अनेक खेल संगठन और प्रसारण संस्थान पहले ही एआई के अलग-अलग प्रयोग कर रहे हैं। भारत में सार्वजनिक प्रसारण के स्तर पर इस तरह की पहल तकनीकी क्षमता और व्यापक जन-पहुँच के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

भारत जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब विश्वस्तरीय खेल प्रसारण की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। स्टेडियम में अत्याधुनिक सुविधाएँ हों, खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिले, खेल बुनियादी ढाँचा मजबूत हो, लेकिन करोड़ों दर्शकों तक आयोजन की कहानी प्रभावी ढंग से न पहुँचे तो उसकी व्यापकता अधूरी रह जाती है। आज खेल आयोजन की सफलता का एक पैमाना यह भी है कि उसे दुनिया किस तरह देखती और अनुभव करती है। इस लिहाज से एआई आधारित प्रसारण भारत की तकनीकी क्षमता का भी परिचय बन सकता है।हालाँकि इस पूरी प्रक्रिया

(लेखक - विनोद सिंह ‘तकियावाल’)

‘बैतूल में जंगल माफिया पर वन विभाग का शिकंजा!

पाढर रोड पर आधी रात को घेराबंदी कर 7 तस्कर दबोचे, छोटा हाथी में 16 सागौन के लट्टे, पावर चेनसॉ और देसी कट्टा बरामद

बैतूल बाजार का मुख्य आरोपी रडार पर

यश भारत, बैतूल

बैतूल उत्तर वन मंडल की बैतूल रेंज में वन विभाग ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए सागौन की अवैध कटाई और परिवहन के मामले में सात आरोपियों को पकड़ा है। वन अमले ने पाढर रोड पर घेराबंदी कर सागौन की लकड़ियों से भरे छोटा हाथी वाहन को पकड़ा। तलाशी के दौरान वाहन से सागौन के 16 लट्टे, अवैध कटाई में इस्तेमाल की जा रही पावर चेनसॉ मशीन और एक देशी कट्टा बरामद किया गया है।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया जाल- जानकारी के अनुसार वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पाढर क्षेत्र के जंगल से सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई कर लकड़ियों को छोटा हाथी वाहन के जरिए बैतूल की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना को



गंभीरता से लेते हुए बैतूल रेंज की टीम ने पाढर रोड पर निगरानी और घेराबंदी शुरू की। देर रात संदिग्ध छोटा हाथी वाहन दिखाई देने पर वन अमले ने उसे रोककर तलाशी ली। वाहन की जांच के दौरान उसमें सागौन के 16 लट्टे

लदे मिले।

लकड़ी के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपी कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद वन अमले ने वाहन और लकड़ी

को जब्त कर उसमें सवार सात लोगों को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान वन विभाग की टीम को वाहन से पावर चेनसॉ मशीन भी मिली। आशंका है कि इसी मशीन का इस्तेमाल जंगल में सागौन के पेड़ों की कटाई के लिए किया गया था। इसके अलावा एक देशी कट्टा भी बरामद हुआ है। हथियार मिलने के बाद वन विभाग द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि पकड़े गए आरोपियों में बैतूल बाजार निवासी व्यक्ति को मुख्य आरोपी बताया जा रहा है।

वन विभाग ने जब्त लकड़ी, वाहन और चेनसॉ को कब्जे में लेकर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। वहां देशी कट्टे के संबंध में भी संबंधित स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। विभाग इस बात की भी जानकारी जुटा रहा है कि सागौन की लकड़ी कहाँ पहुंचाई जानी थी और इस अवैध कारोबार में इनके साथ और कौन लोग जुड़े हैं।

चिचोली में जयस का हल्ला-बोल, तहसील के सामने गरजे आदिवासी युवा !

नशामुक्ति और बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने की मांग, नगर परिषद को शून्य कर ग्रामसभा बहाल करने के लिए सौंपा ज्ञापन



सुधार और ऐसी घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई। संगठन की दूसरी मांग भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची से संबंधित है। जयस पदाधिकारियों ने

ज्ञापन में मांग की कि अनुसूचित क्षेत्र में आने वाली चिचोली नगर परिषद के संबंध में संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई करते हुए ग्रामसभा की स्वायत्तता बहाल

की जाए।

जयस की दो प्रमुख मांगें

1. चिचोली क्षेत्र में नशामुक्ति अभियान चलाकर बढ़ते अपराधों

यश भारत,बैतूल/सारणी

सारनी औद्योगिक नगरी सारणी में शासकीय और एमपीपीजीसीएल की बेशकीमती जमीनों पर गिद्ध दृष्टि गड़ाए भू-माफियाओं ने अतिक्रमण का एक बेहद शातिर और अनोखा तरीका ईजाद किया है। सरकारी योजना की आड़ लेकर अंजाम दिए जा रहे इस खेल ने नगर पालिका और प्रशासन दोनों को



एशियन गेम्स 2026 3 ऑल-आउट और 63 अंक रेडर्स और डिफेंडर्स ने कर दी पॉइंट्स की बौछार

आइची-नागोया:

एशियन गेम्स 2026 में अपने गोल्ड मेडल की रक्षा करने उतरी भारतीय मेंस कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार सुबह तोकई सिटीजन्स जिम्मेजियम में खेले गए र्ग-ए के अपने दूसरे मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने साउथ कोरिया को 63-31 के बड़े अंतर से हरा दिया। अपने पहले मैच में मेजबान जापान को मात देने के बाद, भारत की यह प्रतियोगिता में लगातार दूसरी धमाकेदार जीत है।

कप्तान सुनील कुमार की अगुवाई में उतरी भारतीय टीम ने मैच के पहले मिनट से ही कोरिया पर शिकंजा कस लिया था। भारतीय रेडर्स ने कुल 38 टच/आउट पॉइंट हासिल किए, जबकि डिफेंस ने कोरियाई अटैक को अपने कोर्ट में पकड़ते हुए टैकल पॉइंट्स की बौछार कर दी।

हाफ-टाइम तक ही पक्की हो गई थी जीत-मैच की शुरुआत से ही भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स ने

तालमेल का बेहतरीन नजारा पेश किया। पहले हाफ में भारत ने दो बार कोरियाई टीम को ऑल-आउट किया। ब्रेक के समय तक भारत ने 34-14 की विशाल 20-पॉइंट्स की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में भी कहानी नहीं बदली। हालांकि कोरियाई रेडर्स ने वापसी की कुछ कोशिशें कीं, लेकिन भारतीय डिफेंस के आगे उनकी एक न चली। भारत ने दूसरे हाफ में एक और ऑल-आउट (मैच में कुल 3 ऑल-आउट) थोपते हुए स्कोरबोर्ड पर 63 अंक टांग दिए। मैच के अंत में भारत का बोनस पॉइंट्स का अंकड़ा 17 तक पहुंच गया था।

अगला मुकाबला बांग्लादेश से- इस जीत के साथ ही भारतीय टीम र्ग-ए की पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर चुकी है। पिछले 10 में से 8 एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीत चुकी भारतीय टीम का अगला मुकाबला बुधवार, 23 सितंबर को र्ग-ए में बांग्लादेश से होगा।

रोहित जब तक रन बना रहे हैं उन्हें खेलते रहने दें : चेतन शर्मा

मुंबई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम की चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा का कहना है कि कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को अभी संन्यास के लिए मजबूर न करते हुए तब तक खेलते रहने देना चाहिये जब तक कि वह रन बना रहे हैं। पिछले करीब एक साल से रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर उन्हें टीम में बनाये रहने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे समय में चेतन ने रोहित का बचाव करते हुए कहा है कि जब तक वह फिट हैं और रन बना रहे हैं, उन्हें एकदिवसीय क्रिकेट

खेलना रहने देना चाहिए। चेतन शर्मा के अनुसार उम्र केवल एक नंबर है और उसे चयन का पैमाना नहीं बनाया जा सकता।

साथ ही कहा , अगर रोहित शर्मा 2027 विश्व कप खेल सकते हैं, तो इसमें क्या खराबी है? यह बयान रोहित के अगले विश्व कप तक खेलने की संभावनाओं को बल देता है, बशर्ते उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार रहे। शर्मा ने अपनी इस राय को सिर्फ रोहित तक सीमित नहीं रखा, बल्कि विराट कोहली का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, अगर विराट कोहली अभी भी फिट हैं और रन बना रहे हैं, तो उन्हें



भी खेलते रहना चाहिए। विराट हमेशा से भारतीय क्रिकेट की अमूल्य संपति रहे हैं। शर्मा का मानना है कि ऐसे दिग्गजों को, जो फिट रहते हुए देश के लिए लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, टीम में बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, अगर वे फिट हैं और भारत के लिए रन बना रहे हैं, तो हमें खुश होना चाहिए।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए, चेतन शर्मा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उस फैसले पर खुशी जतायी जिसमें बोर्ड ने सभी खिलाड़ियों के लिए फिट और उपलब्ध होने पर घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य बनाया

है।शर्मा ने याद किया कि जब वह भारत के मुख्य चयनकर्ता थे, तब उनकी सोच यही थी कि यदि कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो उसे राष्ट्रीय टीम में मौका मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट आयोजित करने के लिए बहुत पैसा और प्रयास खर्च करता है, और इसलिए हमें घरेलू क्रिकेट का सम्मान करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि बीसीसीआई के इस निर्देश को देखकर उनका सपना सच हो गया है, और इसके लिए वह बोर्ड के वाकई आभारी हैं। उन्होंने सभी फिट खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी या अन्य प्रथम

रंग संसार



दीपिका-रणवीर के घर आई दूसरी नन्ही परी

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के पावर कपल, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह, 19 सितंबर 2026 को एक बार फिर माता-पिता बने हैं। इस बार भी उनके घर एक नन्ही बेटी ने जन्म लिया है। इस खुशी की खबर को उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक जॉइंट पोस्ट के जरिए साझा किया। पोस्ट में नवजात बच्ची के छोटे पैरों के निशान के साथ बेबी गर्ल का स्वागत हैः19/9/2026जुआ, दीपिका, रणवीर लिखा था। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस खुशखबरी पर अपनी खुशी जाहिर की। इससे पहले, रणवीर और दीपिका ने अपनी बड़ी बेटी दुआ के साथ प्यारी फैमिली तस्वीरें साझा की थीं। दीपिका और रणवीर ने इस साल अप्रैल में अपने दूसरे बच्चे के आगमन की घोषणा की थी। उनकी पहली बेटी दुआ का जन्म 8 सितंबर 2024 को हुआ था। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, दीपिका और रणवीर ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में एक निजी समारोह में शादी की थी।

सलमान ने बच्चे को भीड़ से बचाया
मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान इन दिनों गणेश चतुर्थी के जश्न में पूरी तरह डूबे हुए हैं। बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए वह लगातार अलग-अलग गणपति पंडालों में पहुंच रहे हैं। अंबानी परिवार के गणपति उत्सव और अपने परिवार के गणपति विसर्जन में शामिल होने के बाद सलमान खान हाल ही में महाष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के घर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। जब सलमान खान वहां से बाहर निकल रहे थे, तो बाहर मौजूद फैंस की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ी। जब उनकी सिक्योरिटी टीम उन्हें भीड़ के बीच से उनकी कार की ओर ले जाने की कोशिश कर रही थी, तभी सलमान ने एक बच्चे को भीड़ के पास आते देखा। एक पैपरपूजी द्वारा शेरार किए गए वीडियो में सलमान को अपने बॉडीगार्ड को रोकते हुए दिखाया गया। उन्होंने बच्चे से हाथ मिलाया और फिर अपनी कार की ओर बढ़ने से पहले उसे भीड़ से बाहर निकलने में धीरे से मदद की। इस घटना ने सलमान की मानवता और बच्चों के प्रति उनके प्यार को दर्शाया।

मंधाना ने सबको पीछे छोड़ दिया, इंटरनेशनल क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं, जापान में रचा इतिहास

निशिन (जापान)

टीम इंडिया की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली बल्लेबाज बनीं हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स मुकाबले में अर्धशतकीय पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसी महीने की शुरुआत में वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं थी। वहीं, पिछले मैच में वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला क्रिकेटर बनीं थीं। अब उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इसके साथ ही वह अपने करियर के उस दौर में पहुंच चुकी हैं, जहां हर मैच में वह कोई न कोई रिकॉर्ड बना रही हैं। भारत के लिए सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली भी ऐसे स्वर्णिम दौर से गुजर चुके हैं।

टी20 में 37 अर्धशतक-स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में अपने टी20 करियर का 37वां अर्धशतक भी पूरा किया। वह महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाली बल्लेबाज भी



कामिल पूरन और निकोलस पूरन के रिश्ते की अटकलें गलत निकलीं

जमैका (ईएमएस)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए अपनी जो टीम घोषित की है। उसमें पहली बार कामिल पूरन नाम के खिलाड़ी को शामिल किया गया है। इससे प्रशंसकों के दिमाग में सवाल उठ रहे हैं कि कामिल क्या क्या निकोलस पूरन के भाई है ? गौरतलब है कि पूरन वेस्टइंडीज टीम के एक प्रमुख खिलाड़ी होने के साथ ही संन्यास के बाद दुनियाभर की फ्रेंचाइजी लीग में भी खेलते हुए अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर रहे हैं। वह वेस्टइंडीज टीम के कप्तान भी रहे हैं। ऐसे में एक ही उपनाम के साथ एक और पूरन का टीम में आना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा पैदा करता है। वहीं अब ये तथ्य सामने आया है कि निकोलस पूरन और कामिल पूरन भाई के बीच कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। दोनों आपस में भाई नहीं



हैं। दोनों के बीच एकमात्र समानता उनका आखिरी नाम पूरन होना है। यह केवल एक संयोग है कि दो अलग-अलग क्रिकेटर एक ही उपनाम साझा करते हैं।

हालांकि, उपनाम के अलावा कुछ और दिलचस्प बातें हैं जो दोनों में समान हैं। निकोलस पूरन और कामिल पूरन दोनों ही कैरेबियन द्वीप समूह के त्रिनिदाद और टोबैगो क्षेत्र से आते हैं। इसके अलावा, उनकी उम्र भी लगभग एक जैसी ही है,



लालबागचा के दरबार में बॉलीवुड सितारों का समागम

मुंबई, यशभारत। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर, मुंबई के सुप्रसिद्ध लालबागचा राजा के पंडाल में हर साल की तरह इस साल भी आम भक्तों के साथ-साथ बॉलीवुड और टेलीविज़न जगत के कई सितारों का तांता लगा रहा। गणपति बप्पा के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए कई सेलेब्स अपने परिवार के साथ पहुंचे और भक्ति में लीन दिखाई दिए। प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी गणेश उत्सव के अवसर पर बप्पा का आशीर्वाद लेने पंडाल पहुंचे, जहाँ वे पूरी श्रद्धा के साथ भगवान गणेश के दर्शन करते नजर आए। इसी कड़ी में, अभिनेत्री तापसी पन्नू मशहूर लेखिका और फिल्ममेकर कनिका छिन्नो के साथ लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंचीं। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर तापसी पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत और सादगीपूर्ण लुक में दिखीं। पंडाल में वे बप्पा का आशीर्वाद लेती और श्रद्धा भाव से हाथ जोड़कर नमन करती दिखीं, साथ ही पैपरपूजी को देखकर मुस्क्राते हुए पोज़ भी दिए। अभिनेता अजय देवगन भी अपने बेटे युग के साथ गणेशोत्सव के दौरान लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे।

बिना प्रार्थना किए कुछ मिलना नामुमकिन!: अमिताभ बच्चन

मुंबई, यशभारत।

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग के जरिए जिंदगी में कभी हार न मानने और छोटे प्रयासों के महत्व को लेकर एक खास संदेश दिया है। अभिनेता ने अपने इस प्रेरक संदेश में लिफ्ट के ऑटोमैटिक दरवाजे से जिंदगी की मुश्किलों की तुलना की, जो उनके गहरे चिंतन को दर्शाता है। बिग बी ने अपने ब्लॉग में लिखा, कुछ बिना बोले होता है, कुछ बोलके होता है और कुछ ठोक-ठक के होता है, लेकिन होता जरूर है।

उन्होंने ऑटोमैटिक दरवाजे का उदाहरण देते हुए समझाया कि लिफ्ट का ऑटोमैटिक दरवाजा थोड़ी देर बाद अपने आप बंद होने लगता है। अगर चढ़ने में देर हो जाए तो वो बंद होने लगता है। उस वक्त अगर एक छोटी सी उंगली भी उसके रास्ते में आ जाए, तो वो खुल जाता है और वापस अपनी जगह पर चला जाता है। ठीक इसी तरह, अमिताभ बच्चन ने कहा कि जिंदगी में भी एक छोटी सी कोशिश या प्रार्थना एक



बंद दरवाजे को खोल सकती है, चाहे वो एक छोटी सी उंगली के बराबर ही क्यों न हो। उन्होंने आगे कहा, बिना प्रार्थना किए कुछ मिले-नामुमकिन! कोशिश करते रहो, चलते रहो, लगे रहो, किसी दिन, वो दरवाजा तंग आकर खुल जाएगा। यह संदेश हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है कि जीवन में संघर्षों के बावजूद उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए।

अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों क्रिज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18वां सीजन होस्ट कर रहे हैं, जो भारतीय टेलीविजन के सबसे सफल और आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में से एक बन चुका है। यह शो पहली बार वर्ष 2000 में शुरू हुआ था और तब से इसने लाखों लोगों को सपनों की पूरा करने का मंच दिया है। कौन बनेगा करोड़पति ब्रिटिश शो हू वांट्स टू बी अ मिलियनेयर? का हिंदी वर्जन है। इसका फॉर्मेट मूल शो जैसा ही है, जिसमें प्रतियोगियों से बहुविकल्पीय सवाल पूछे जाते हैं।

32°C
@2.00pm20°C
@05.00am

भोपाल में सीलिंग कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

रहवासी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक

भोपाल, यश भारत ।

राजधानी में सीलिंग और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने कार्रवाई के पालन में लापरवाही पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि रहवासी क्षेत्रों में किसी भी तरह की व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और जहां सीलिंग या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के निर्देश लागू हैं, वहां उनका सख्ती से पालन होना चाहिए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पांच बिंदुओं में निर्देश जारी किए। अदालत ने कहा कि जिन क्षेत्रों का भूमि उपयोग स्पष्ट नहीं है अथवा जहां मिश्रित भूमि उपयोग की स्थिति है, उन्हें सीलिंग की कार्रवाई से अलग रखा जाए। हालांकि, स्पष्ट रूप से रहवासी उपयोग वाले क्षेत्रों में कार्रवाई नहीं रोकी जाए। सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अदालत के निर्देशों के अनुरूप जारी रखने को कहा गया।



सरकार की कमेटी पर उठे सवाल

मध्यप्रदेश सरकार की ओर से गठित कमेटी को लेकर अवमानना के मामले में अदालत के एमिकस क्यूरी ए.के. सिन्हा ने जांच की थी। सुनवाई में सिन्हा ने अदालत को बताया कि कमेटी गठित कर सरकार ने अदालत के आदेश की अवमानना की है। इस पर मध्यप्रदेश सरकार की ओर से अधिवक्ता के.एन. नटराजन ने अदालत को बताया कि सरकार से

सुनवाई से पहले शुक्रवार सुबह भोपाल के करीब 10 रहवासियों की शिकायतें एमिकस क्यूरी के माध्यम से अदालत के सामने रखी गईं। शिकायतों में आरोप लगाया गया कि कुछ स्थानों पर सुबह सीलिंग की कार्रवाई होती है, लेकिन शाम तक संबंधित प्रतिष्ठान फिर से खुल जाते हैं।

इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कई स्थानों पर निर्देशों का पूर्णतः पालन नहीं हो रहा है, विशेष रूप से भोपाल में। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जहां सीलिंग कार्रवाई के सख्त निर्देश हैं, वहां उनका पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए।

1995 के बाद नया मास्टर प्लान नहीं

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से भोपाल के मास्टर प्लान का मुद्दा भी रखा गया। अधिवक्ता के.एन. नटराजन ने बताया कि भोपाल के

भोपाल में वकीलों से मारपीट मामला: जहांगीराबाद टीआई सहित 3 पुलिसकर्मी निलंबित

भोपाल, यशभारत। राजधानी भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में सीट बेल्ट चेकिंग के दौरान अधिवक्ता से अभद्रता और मारपीट के मामले में पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस विभाग ने जहांगीराबाद थाना प्रभारी राजन अहिरवार और दो अन्य पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। गौरतलब है कि मंगलवार रात खटलापुरा मंदिर मार्ग पर पुलिस द्वारा नियमित वाहन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान कार सवार अधिवक्ता राकेश रावल (45) को सीट बेल्ट न लगाने पर रोका गया। अधिवक्ता का आरोप था कि जब उन्होंने वाहन में पेट्रोल खत्म होने की बात कही, तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए कीचड़ में पटककर डंडों से मारपीट की। वहीं, घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें अधिवक्ता और ट्रैफिक पुलिस के बीच तीखी बहस होती नजर आ रही थी। साथी अधिवक्ता

से मारपीट की खबर मिलते ही देर रात लगभग 50 वकीलों ने जहांगीराबाद थाने का घेराव कर लिया था और देर रात 3 बजे तक दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की जांच और प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर थाना प्रभारी राजन अहिरवार समेत तीन पुलिसकर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है।

से मारपीट की खबर मिलते ही देर रात लगभग 50 वकीलों ने जहांगीराबाद थाने का घेराव कर लिया था और देर रात 3 बजे तक दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की जांच और प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर थाना प्रभारी राजन अहिरवार समेत तीन पुलिसकर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है।

बिजली के बढ़ते बिलों से छुटकारा

अब सोलर लगाइए और हर महीने बचत पाइए

SAVE 90% ON ELECTRICITY BILL

UPTO ₹78,000* GOVERNMENT SUBSIDY AVAILABLE

UP TO 5 YEARS FREE MAINTENANCE

UP TO 25 YEARS SOLAR PANEL GUARANTEE

Solar EPC | Designing | Installation | Maintenance

Karma Shree Solar

FOR INSTALLATION CALL ☎ +91-79740 63615 RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIAL PROJECTS

4/2, GROUND FLOOR, RANTHAMBOR COMPLEX, ZONE-II, M.P. NAGAR, BHOPAL

गणेश उत्सव के अवसर पर आकर्षक डिस्काउंट

*T&C Apply

पावर कट से पावर सरप्लस बना मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री यादव

भोपाल, यश भारत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पावर कट से पावर सरप्लस स्टेट बन चुका है और आज प्रदेश अपनी ऊर्जा जरूरतों से आगे बढ़कर देश की ऊर्जा आवश्यकता पूरी करने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री मंगलवार को हॉटेल मैरिएट में आयोजित ऑन डिडिया डिस्कॉम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में



वर्तमान में 32 हजार मेगावाट की ऊर्जा क्षमता है जिसमें

करीब 30 प्रतिशत हिस्सा वकीन एनर्जी का है। राज्य सरकार सस्ती और भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराने के साथ उत्पादन एवं ऊर्जा भंडारण की क्षमता बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि नीमच-मंदसौर में 2000 मेगावाट क्षमता की परियोजना पर तेजी से काम हो रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। सौर पवन और ऊर्जा भंडारण का संतुलित मिश्रण विकसित कर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक भार को रोकना जरूरी है।

गौरी ग्रीन्स कॉलोनी

📍 साईट - हमीरी रोड, रेल्वे स्टेशन के पास, मंडीदीप, रायसेन (म.प्र.)



सभी आय वर्गों के बजट के अनुसार प्लॉट उपलब्ध हैं, साथ ही अग्रणी बैंक संस्थाओं द्वारा होम लोन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।



८ सतेन्द्र चौरसिया - 9329207972 ८ प्रशांत चौरसिया - 9244558788 ८ प्रतीक कनकने - 7691922222

📍 साईट ऑफिस - गौरी ग्रीन्स कॉलोनी, हमीरी रोड, मंडीदीप रेल्वे स्टेशन के पास, मंडीदीप, जिला - रायसेन (म.प्र.)

27 YEARS of MANSAROVAR GROUP

• University • Nursing • Dental • Ayurveda • Medical • Education • Hospital • Law

MANSAROVAR GROUP OF INSTITUTIONS | MGI | MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY

4th CONVOCATION CEREMONY

Mansarovar Global University & GRADUATION DAY

Mansarovar Dental College, Hospital and Research Centre
Mansarovar Ayurvedic Medical College Hospital & Research Centre
Sri Sai Institute of Ayurvedic Research & Medicine

Chief Guest
His Excellency
Shri. Mangubhai Patel
Governor, Madhya Pradesh

Guest of Honour
Shri. Inder Singh Parmar
Minister, Higher Education
Madhya Pradesh

Special Guest
Prof. Khem Singh Daheriya
Chairman, M.P. Private University
Regulatory Commission

HONORIS CAUSA DOCTORAL DEGREE AWARDEES IN 2026

Shri Anup Jalota
Renowned Bhajan & Ghazal Singer
Mumbai, Maharashtra

Shri Rajat Patidar
International Cricketer
Captain, Royal Challengers
Bengaluru

23rd September 2026

MANSAROVAR DENTAL COLLEGE HOSPITAL AND RESEARCH CENTRE

MANSAROVAR AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE HOSPITAL & RESEARCH CENTRE

SRI SAI INSTITUTE OF AYURVEDIC MEDICINE & RESEARCH [SIARAM]

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. कौंद बार्डीपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित, 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटार।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्र. एसएसपी/जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MP/IN/2015/60766- email - bhopal@yashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)